International Journal of Engineering Technology and Applied Science

(ISSN: 2395 3853), Vol. 9 Issue 1 January 2023

विश्व व्यापार संगठन क अर्न्तगत राष्ट्रीय स्तर पर बासमती और गैर बासमती चावल के निर्यात का अध्ययन

बबीता चौरसिया शर्मा[1], डॉ. अनिल कुमार जुनेजा[2] एवं प्रो. (डॉ.) संजय जैन[3]
1.शोधार्थी, वाणिज्य संकाय, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल
2.प्राध्यापक वाणिज्य, स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय, रायसेन
3.प्राचार्य, बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल

सारांश

भारत चावल का अग्रणी उपभोक्ता के साथ–साथ दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक भी है, जिसका वैश्विक चावल निर्यात में 40 प्रतिशत से अधिक का योगदान है राष्ट्रीय स्तर पर बासमती चावल और गैर बासमती चावल क निर्यात की मात्रा में कमी और वृद्धि रही है भारत बासमती चावल को अमेरिका, यूरोप और सऊदी अरब जैसे बाजारों में निर्यात करता है जबकि गैर बासमती चावल का निर्यात अफ्रीकी देशों में ज्यादा किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2019–20 की अवधि में निर्यात 4454614.4 मीट्रिक टन हुआ था जो वित्तीय वर्ष 2020–21 में भारत ने 4611776.9 मीट्रिक टन बासमती चावल का निर्यात किया गया था इसी प्रकार गैर बासमती चावल का निर्यात वित्तीय वर्ष 2019–20 की अवधि में निर्यात 5040704.30 मीट्रिक टन हुआ था जो वित्तीय वर्ष 2020–21 में भारत ने 13094679.09 मीट्रिक टन गैर बासमती चावल का निर्यात किया था।

कुंजी शब्द – बासमती चावल, गैर बासमती चावल, निर्यात

प्रस्तावना

विश्व व्यापार संगठन का भारत की कृषि मे महत्वपुर्ण योगदान रहा है आज हम न सिर्फ अपने दश की खाद्य सामग्री की जरूरत पूरी कर सकते हैं, बल्कि दूसरे देशों की जरूरत के हिसाब से निर्यात भी कर पा रहे हैं। भारत चावल का अग्रणी उपभोक्ता के साथ–साथ दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक भी है, जिसका वैश्विक चावल निर्यात में 40 प्रतिशत से अधिक का योगदान है और यह विश्व बाजार में थाईलैंड, वियतनाम, पाकिस्तान तथा म्याँमार के साथ प्रतिस्पर्द्धा करता है। भारत बासमती चावल को अमेरिका, यूरोप और सऊदी अरब जैसे बाजारों में एक्सपोर्ट करता है। बासमती चावल की खासियत यह होती है कि यह अधिक लंबा, पतला होता है आर पकाने पर अपने मूल आकार से दोगुना हो जाता है. इसके अलावा बेहतर सुगंध और विशिष्ट स्वाद के साथ नरम और हल्का होता है. खाने में इसका स्वाद अन्य चावल के मुकाबले निखरकर आता है। बासमती चावल सुगंधित, लंबे चावल की अन्य किस्मों में अद्वितीय होता है। अपने स्वाद, सुगंध और लंबे दाने की वजह से विदेशों में बासमती चावल की मांग बढ़ती जा रही है। गैर बासमती चावल की बात करें तो इसका एक्सपोर्ट अफ्रीकी देशों में ज्यादा किया जाता है। ईरान, सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात और यमन को करीब दो तिहाई बासमती चावल निर्यात किया जाता है। वर्ष 2020–21 के दौरान भारत ने 150 से भी ज्यादा देशों को चावल निर्यात किया था भारत से बासमती चावल का निर्यात पिछले साल की अपेक्षा 3.5 प्रतिशत बढ़ गया है। पिछले साल 2019–20 की अवधि में निर्यात 4454614. 4 मीट्रिक टन हुआ था जो वित्तीय वष 2020–21 में भारत ने 4611776.9 मीट्रिक टन बासमती चावल का निर्यात किया था, जिससे करीब 29714.96 हजार करोड़ रुपये की कमाई हुई थी चावल के भारतीय निर्यात में गैर–बासमती चावल का सबसे बड़ा हिस्सा हेता है गैर बासमती चावल का निर्यात भी करीब 159.8 प्रतिशत बढ गया है वित्तीय वर्ष 2019–20 की अवधि में निर्यात 5040704.30 मीट्रिक टन हुआ था जो वित्तीय वर्ष 2020–21 में भारत ने 13094679.09 मीट्रिक टन गैर बासमती चावल का निर्यात किया था।

सारणी 1.1 : राष्ट्रीय स्तर पर बासमती चावल का निर्यात

वर्ष	भारत			
	मात्रा मीट्रिक टन में	कमी / वृद्धि (%)	रुपये करोड़ में	कमी / वृद्धि (%)
2015-16	4045821.8	-	22718.56	-
2016-17	3985195.0	**-1.5**	21512.91	**-5.3**
2017-18	4056758.2	**1.8**	26870.16	**24.9**
2018-19	4414560.0	**8.8**	32804.12	**22.1**
2019-20	4454614.4	**0.9**	31025.55	**-5.4**
2020-21	4611776.9	**3.5**	29714.96	**-4.2**

Source :- APEDA (India Export Statistics)

आरेख 1.1 : राष्ट्रीय स्तर पर बासमती चावल का निर्यात

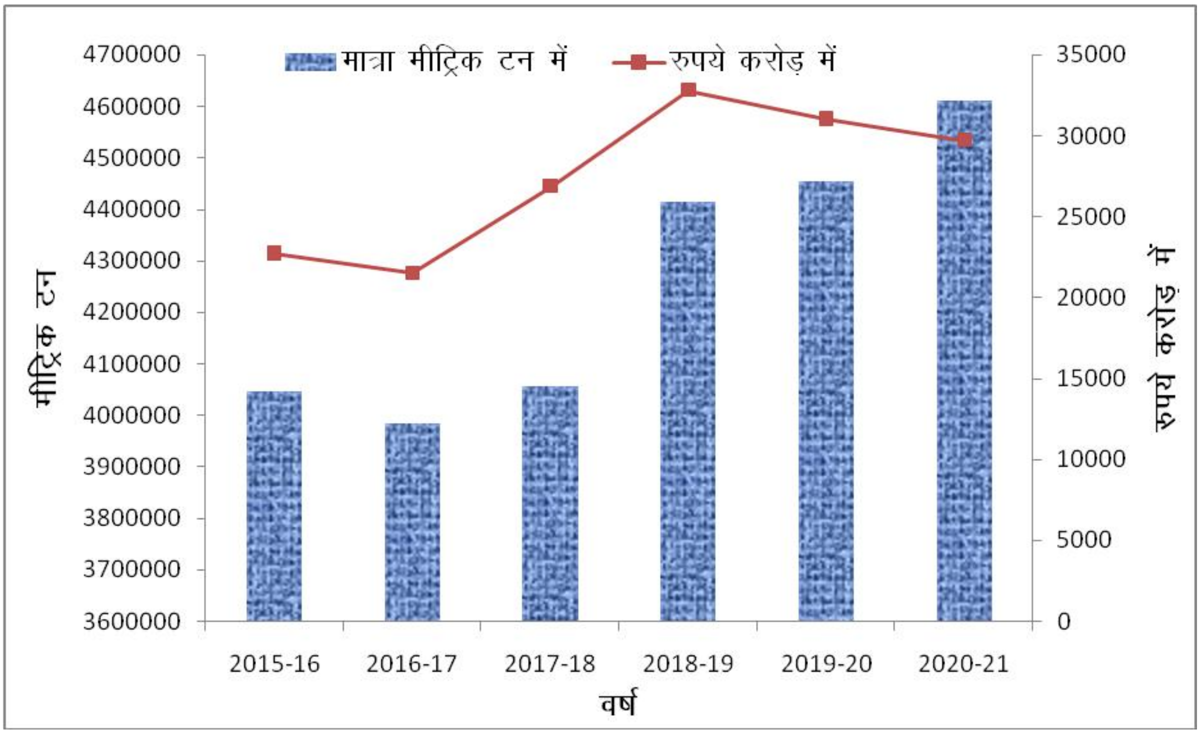

उपरोक्त तालिका एवं आरेख से यह स्पष्ट होता है कि राष्ट्रीय स्तर पर बासमती चावल क निर्यात की मात्रा में कमी और वृद्धि रही है वर्ष 2015–16 की तुलना में 2016–17 में 1.5 प्रतिशत की कमी पायी गई, वर्ष 2017–18 की अपेक्षा 2018–19 में 8.8

प्रतिशत की वृद्धि निर्यात में दर्ज की गई तथा यह वृद्धि 2020–21 में 3.5 प्रतिशत ही रह गई।

सारणी 1.2 : राष्ट्रीय स्तर पर गैर बासमती चावल का निर्यात

वर्ष	भारत			
	मात्रा मीट्रिक टन में	कमी / वृद्धि (%)	रुपय करोड़ में	कमी / वृद्धि (%)
2015-16	7024894.51	-	17382.28	-
2016-17	6770803.17	**-3.6**	16929.87	**-2.6**
2017-18	8648486.97	**27.7**	22967.82	**35.7**
2018-19	7599592.47	**-12.1**	21185.06	**-7.8**
2019-20	5040704.30	**-33.7**	14364.68	**-32.2**
2020-21	13094679.09	**159.8**	35475.20	**147.0**

Source :- APEDA (India Export Statistics)

आरेख 1.2 : राष्ट्रीय स्तर पर गैर बासमती चावल का निर्यात

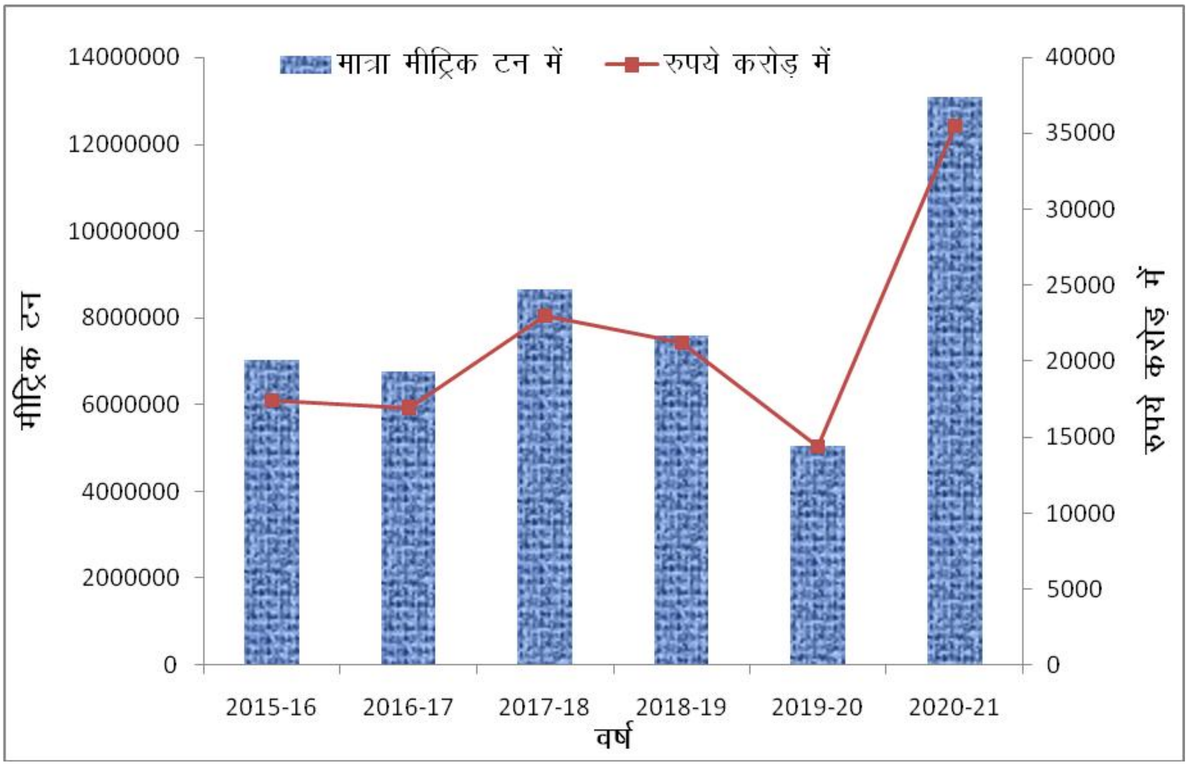

उपरोक्त तालिका एवं आरेख से यह स्पष्ट होता है कि राष्ट्रीय स्तर पर गैर बासमती चावल क निर्यात की मात्रा में कमी और वृद्धि रही है वर्ष 2015–16 की तुलना में

2016–17 में 3.6 प्रतिशत की कमी पायी गई परन्तु वर्ष 2019–20 की अपेक्षा 2020–21 में 159.8 प्रतिशत की वृद्धि चावल के निर्यात में दर्ज की गई।

विश्व व्यापार संगठन का भारतोय कृषि में चावल के निर्यात पर मिलाजुला प्रभाव रहा है कुछ वर्षो में बासमती तथा गैर बासमती चावल के निर्यात में वृद्धि हुई है तो कई वर्षो में निर्यात में वृद्धि नहीं भी हुई है। कृषि निर्यात को बढ़ाने के लिए राज्य और केंद्र दोनों सरकारों को सामंजस्यपूर्ण नीति विकसित करनी चाहिए।